समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation









कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 10

स्वाधीनता संग्राम में पूर्वोत्तर की वीरांगनाएँ

भाग – 2

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



रीना : सुना है पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की भी अनेक महिलाओं ने इस आंदोलन में भाग लिया था। इन वीर महिलाओं के विषय में हमें कुछ बताइए न गुरुजी !

अध्यापक : ठीक है। सुनो, स्वाधीनता आंदोलन को गति देने में हमारे पड़ोसी राज्य मणिपुर तथा नागालैंड की महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। नागारानी गाइदिंल्यू असम की कनकलता की ही तरह किशोरी अवस्था में, केवल तेरह साल की उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में कूद पड़ी थीं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अनिकेत : गुरुजी, क्या वे झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरह नागालैंड की रानी थीं ?

अध्यापक : नहीं, नहीं। वे लक्ष्मीबाई की तरह रानी नहीं थीं। मणिपुर राज्य के लंकाओ नामक एक गाँव में 26 जनवरी, 1915 ई. को उनका जन्म हुआ था। अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में भाग लेने के कारण 1932 ई. में जब वे केवल 16 साल की एक किशोरी थीं तभी अंग्रेज सरकार ने उन्हें गिरफ्तार करके जेल की सजा दी थी। तब से वे भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तक जेल में ही रहीं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



मनु : तो उन्हें रानी क्यों कहा जाता है गुरुजी ?

अध्यापक : जब वे शिलांग जेल में बन्दी थीं तब 1937 ई. में पं जवाहरलाल नेहरूजी ने उनसे मुलाकात की थी। नेहरूजी ने उनको 'नागारानी' कहकर संबोधित किया था और तब से वे 'रानी गाइदिंल्यू' नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ईशान : इनके बारे में जानकर बहुत अच्छा लगा। और अन्य के बारे में बताइए न गुरुजी !

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



अध्यापक : अच्छा सुनो, मिजोरम की एक स्वतंत्रता सेनानी रोपुइलियानी का नाम भी बहुत श्रद्धा से लिया जाता है। उनके पति वन्दुला मिजोरम के देनलुंग नामक गाँव के मुखिया थे। पति की मृत्यु के पश्चात रोपुइलियानी देनलुंग गाँव की मुखिया बनी थीं। मिजोरम के लिखित इतिहास के अनुसार 19वीं सदी में गाँव की मुखिया बननेवाली वे पहली महिला थीं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

रीना : उन्होंने क्या किया था गुरुजी ?

अध्यापक : रोपुइलियानी ने अंग्रेजों की हुकुमत कबूल करने से साफ इनकार किया था और खुले आम उनका विरोध किया था। इसी अपराध में 1893 ई. में उन्हें अंग्रेज सरकार ने गिरफ्तार करके जेल की सजा दी थी। लगभग एक साल जेल में कैद रहने के बाद 1894 ई. में जेल में ही उनकी मृत्यु हो गई।

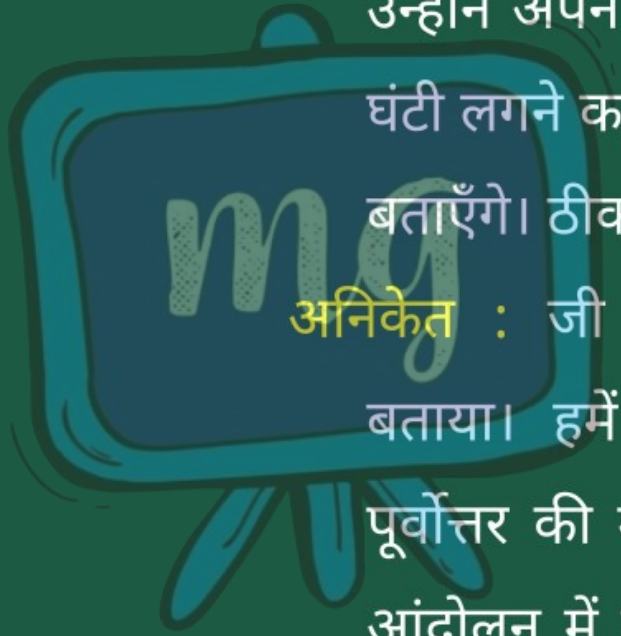
समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



अनिकेत : गुरुजी, और अन्य के बारे में भी बताइए न !

अध्यापक : मेघालय राज्य की शहीद माता राशिमनी हाजों नाम से प्रसिद्ध वीरांगना ने स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इसी प्रकार सिक्किम राज्य की स्वाधीनता संग्रामी हेलेन लेपचा उर्फ सावित्री देवी का नाम भी उल्लेखनीय है।



अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए भी उन्होंने अपना संघर्ष जारी रखा था। देखो, अब घंटी लगने का समय हो गया। बाद में कभी और बताएँगे। ठीक है? अब चलते हैं।

अनिकेत : जी गुरुजी, आपने हमें बहुत कुछ बताया। हमें यह जानकर गर्व हुआ है कि पूर्वोत्तर की महिलाओं ने भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपको बहुत धन्यवाद !

मूल्यांकन



1 | नागारानी गाइदिंल्यू केवल 15 साल की उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में कूद पड़ी थीं ।

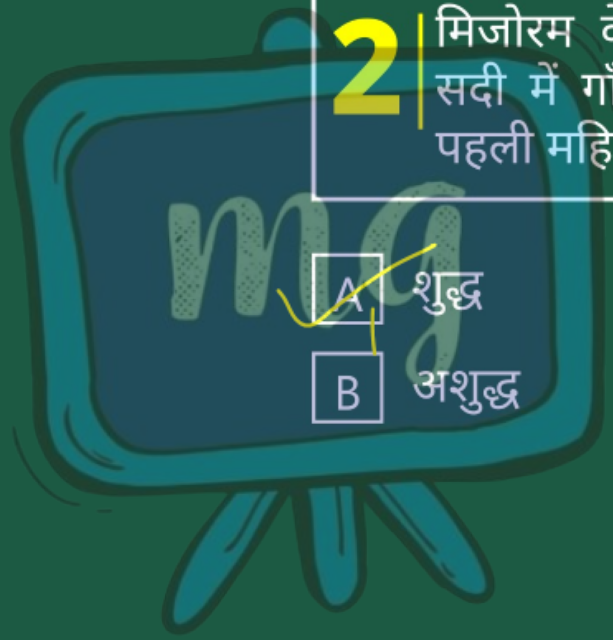
A शुद्ध

B अशुद्ध

मूल्यांकन



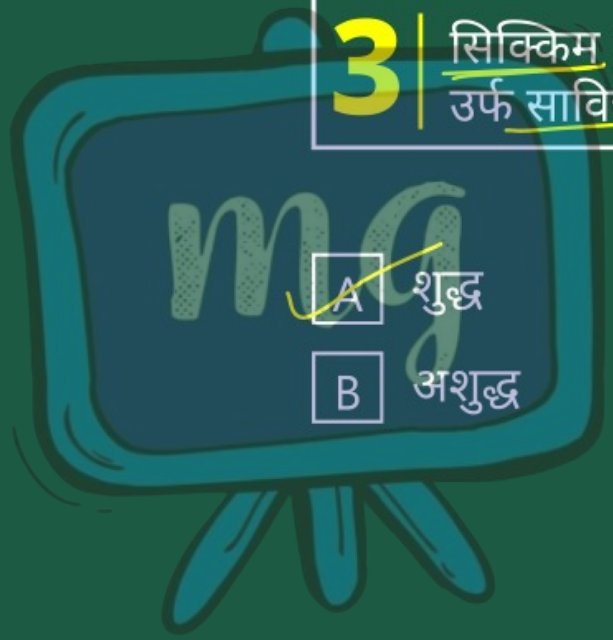
2 | मिजोरम के लिखित इतिहास के अनुसार 19वीं सदी में गाँव की मुखिया बननेवाली रोपुइलियानी पहली महिला थीं ।



मूल्यांकन



3 | सिक्किम राज्य की स्वाधीनता संग्रामी हेलेन लेपचा उर्फ सावित्री देवी का नाम भी उल्लेखनीय है ।



A शुद्ध

B अशुद्ध